RESEARCH PAPER | Journalism | Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

न्यू मीडिया में कमाई के अवसर

KEYWORDS: न्यू मीडिया, रोजगार, संभावनाएं एवं अवसर आदि।

Dr. Subodh Kumar

Associate Professor & Convener, Department of Journalism Vardhman Mahaveer Open University, Kota (Raj.)

ABSTRACT तकनीक के इस दौर न्यू मीडिया अभिव्यक्ति की आवाज बनने के साथ ही साथ रोजगार के कुछ नए अवसर भी सृजित कर रही है। सूचना संचार तकनीक का कार्यालयों और दैनिक जीवन शैली में बढ़ता प्रयोग इस क्षेत्र ढ्ढं नए अवसरों को जन्ढ्ढ दे रहा है। न्यू मीडिया पर लोगों की बड़ी भीड़ नजर आने लगी ऐसे में राजनीतिक पार्टियों से लेकर कॉर्पोरेट हाउसेस तक इसके जरिए विज्ञापन और जनसंपर्क के कार्य को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ढ्ढं वेबसाइट ढ्ढैनेजर से लेकर सोशल मीडिया ढ्ढैनेजर जैसे नए नए पद सृजित हो रहे हैं। अवसरों की नई खेप इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को उभार रही है। प्रस्तुत शोध पत्र में न्यू मीडिया में रोजगार के अवसरों के बारे में पड़ताल की गई है। विमर्श के उपरांत निकले निष्कर्ष सोशल मीडिया में न्यू मीडिया एनालिस्ट,सोशल मीडिया मैनेजर,ट्विटर एकाउंट मैनेजर और मे सबुक गुरु और साथ ही साथ ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते दायरे ने इन वेबसाइट्स में सीईओ से लेकर डिलवरी मैन तक के नए रोजगार के अवसरों की बात सामने आई है।

भूमिका

न्यू मीडिया के जरिए बढ़ते संचार नेटवर्क ने कॉर्पोरेट जगत से लेकर राजनितिक पार्टियों तक ने इसे विज्ञापन, जनसंपर्क और मार्केटिंग के लिए प्रयोग में लाना आरंभ कर दिया है। सूचना और संचार का सरल माध्यम प्रदान करने वाली न्यू मीडिया यानी डिजिटल मीडिया ने रोजगार सृजन में अपनी भूमिका निभानी शुरु कर दी है। आय की नई संभावनाएं न्यू मीडिया के तमाम मंचों से निकल रही हैं, और जानकारों का मानना है कि भविष्य में मुख्यधारा के मीडिया की तरह न्यू मीडिया भी बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार देगा। न्यू मीडिया से जुड़े रोजगारों में दो धाराएं हैं। पहली, न्यू मीडिया जानकारों की आवश्यकता अब उन तमाम कंपनियों-संगठनों को हो रही है, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय होना चाहते हैं या अपने सोशल मीडिया एकाउंट को प्रोढ्ढे शनल तरीके से संचालित करना चाहते हैं। इनमें राजनीतिक पार्टियों से लेकर रेल, एयरलाइंस और तमाम निजी कंपनियां शामिल हैं। शादी.कॉम से लेकर जॉब अलर्ट जैसी तमाम कंपनियां न्यू मीडिया में लोगों के लिए नए अवसर बन रही हैं।

न्यू मीडिया या डिजिटल मीडिया

डिजिटल मीडिया में कंप्यूटर और इन्टरनेट के माध्यम से संचार व्यवस्था स्थापित की जाती है। इस मीडिया की एक खूबी यह है कि इसके जरिए तुरंत ढ्ढीडबैक मिल जाता है। इसका एक भाग सोशल मीडिया भी है जो कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स के समूहों का जाल है। सोशल नेटवर्किंग प्रदान करने में ढ्ढे सबुक, ट्विटर, गूगल प्लस, ऑरकुट, लिंक्ड-इन तथा यू-ट्यूब आदि नेटवर्किंग साइट्स मौजूद हैं। आज विश्व की हजारों किलोमीटर्स में ढ्ढै ली आबादी एक क्लिक से एक दूसरे के आमने-सामने आ जाती है और व्यक्तिगत व सामूहिक दोनों ही प्रकार से अपने विचारों को व्यक्त कर पाती है। वर्तमान में समाज के छोटे से छोटे मुद्दों को विश्व स्तर का मंच प्राप्त है। डिजिटल मीडिया ने लोगों की दिनचर्या में अपना स्थान बना लिया है स्मार्टढ्ढोन से लेकर लेपटॉप और कंप्यूटर सभी दैनिक जीवन की जरूरत बन गए हैं। इसका उपयोग और प्रभाव कुछ इस तरह का है कि लोग इसे जीवन का अहम हिस्सा मानने लगे हैं। यह तकनीक उन्हें लोगों से जोड़ कर विश्व स्तर पर पहचान देती है। डिजिटल माध्यम आज के युग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बनता जा रहा है। वर्तमान परिदृश्य में डिजिटल मीडिया सामाजिक संचार के साथ ही साथ विज्ञापन और जनसंपर्क का अच्छा माध्यम बन गई है। डिजिटल मीडिया के जरिए बढ़ते उपभोक्तावाद ने रोजगार सृजन के क्षेत्र में सकारात्मक नजरिया विकसित किया है। डिजिटल मीडिया के जरिए अपनी पहुंच को बढ़ाने का प्रयास नए रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। कनवर्जेंस के दौर में प्रत्येक माध्यम डिजिटल मीडिया की ओर रुख कर रहा है ऐसे में पत्रकारिता, जनसंपर्क और विज्ञापन की ऑनलाइन पहल बढ़ रही है। लेखक से लेकर वेब और ग्राढ्ढि क डिजाइनर, सोशल मीडिया मैनेजर जैसे तमाम रोजगार के अवसर नजर आ रहे हैं। आंदोलनों का मंच अब नई पीढ़ी को रोजगार मुहैया कराने ने की ओर कदम बढ़ता नजर आ रहा है।

न्यू मीडिया में नौकरियां

अगर आप पढ़ने-लिखने के शौकीन हैं, तो आप अपने ब्लॉग या वेबसाइट के जरिए अच्छी-ख़ासी कमाई कर सकते हैं। लेकिन अच्छी कमाई करने के लिए केवल ब्लॉग या साइट बनाना ही काढ्ढी नहीं है। इसके अलावा कई सारी ऐसी चीज़ें हैं जो इस पर असर डालती हैं। जैसे कि इसकी सामग्री, ब्लॉग पर विज्ञापनों का स्थान, सर्च इंजिन प्रमोशन और ब्लॉग के पाठकों की तादाद आदि। इनमें सबसे ख़ास है ब्लॉग का कंटेंट अगर आपका कंटेंट मनोरंजक, ज्ञानवर्धक और दूसरे ब्लॉगों या वेबसाइट से कुछ हट कर है तो निश्चित ही लोग आपके ब्लॉग की तरढ्ढ आकर्षित होंगे और उसे पढ़ना चाहेंगे। ब्लॉग के जरिए कमाई करने का सबसे बड़ा माध्यम विज्ञापन हैं। गूगल ऐडसेंस (.ुसेसश्रश.लेवश्चशपीश), बिड्वर्टाइज़र, ऐडब्रिट और रेवेन्यूपाइलट वगैरह कई ऑनलाइन सेवाएं हैं, जो ब्लॉग पर विज्ञापन देती हैं। इनमें से गूगल की 'ऐडसेंस' सेवा सबसे पॉपुलर ऐड सेवा है। दरअसल इनके विज्ञापन अपने ब्लॉग पर लगाने के लिए पहले इनका सदस्य बनना अनिवार्य है। ऐसी ज़्यादातर सेवाओं की सदस्यता पूरी तरह मुफ़्त है। इनका सदस्य बनने के बाद ये सेवाएँ कुछ 'कोड' मुहैया कराती हैं, जिसे ब्लॉग पर लगाना होता है। आजकल भारत में भी हजारों लोग इन सेवाओं का ढ्ढ ायदा उठाकर अपने ब्लॉग के ज़रिए अच्छी-ख़ासी कमाई कर रहे हैं।

अगर आप किताब लिखकर कुछ कमाई करना चाहते हैं तो इस काम में अमेजन की नि:शुल्क सेवा किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके जरिए बिक्री से रॉयल्टी हासिल कर सकते हैं। अगर चुनिंदा देशों में किताब बिकती है तो करीब ७० ढ्ढीसदी रॉयल्टी मिलती। हिन्दी-अंग्रेजी कई भाषाओं में यहां किताब प्रकाशित कराई जा सकती है। कुल मिलाकर अगर आपकी लेखनी पाठकों को अपनी तरढ्ढ खींचकर बांधे रख सकती है, तो आप ई-बुक्स के माध्यम से अच्छी ख़ासी कमाई कर सकते हैं। आप अपनी ई-बुक्स अमेज़न किंडल, एप्पल आई-ट्यून्स और गूगल प्ले बुक्स पर आसानी से पीडीएढ्ढ या ईपब ढ्ढॉर्मेट में डाल सकते हैं।

अगर आप तकनीक की जानकारी रखते हैं और इस क्षेत्र में रुचि भी रखते हैं, तो आप विभिन्न एपलीकेशन बनाने के लिए सहजता से मोबाइल डेवलपमेंट के लिए ज़रूरी कंप्यूटर लेंग्वेज सीखकर इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए एण्ड्रॉइड और आईढ्ढोन का आई-ओएस प्रमुख मंच हैं; साथ ही विंडोज ८ के लिए भी डेवलपमेंट किया जा सकता है। जिस तरह वेब के लिए एडसेंस मुख्य विज्ञापन सेवा है, उसी तरह एडमोब मोबाइल की प्रमुख विज्ञापन सेवा है। आप अपनी एप में इसके ज़रिए विज्ञापन लगाकर कमाई कर सकते हैं। इसके लिए कई ट्यूटोरियल इंटरनेट पर मुफ्त में उपलब्ध हैं।

आज यू-ट्यूब दुनिया की सबसे लोकप्रिय दस साइटों में एक हैं। यूट्यूब पर लोग हर विषय से जुड़े वीडियो देख सकते हैं - चाहे मनोरंजन की बात हो या आप कुछ सीखना चाहते हों यू-ट्यूब इसके लिए लोगों की सबसे पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। यहां आप न सिर्ढ्ढ तरह-तरह के वीडियो देख सकते हैं, बल्कि अपने वीडियो अपलोड भी कर सकते हैं। यह मंच आपको अपने वीडियो मोनेटाइज करने का भी मौक़ा देता है, यानी कि आप चाहें तो यू-ट्यूब आपके वीडियो पर विज्ञापन दिखाएगा। इससे होने वाली कमाई का एक अच्छा-ख़ासा हिस्सा आपके ख़ाते में भी आएगा। अगर आपके वीडियो रोचक या जानकारीपूर्ण हैं, तो यू-ट्यूब के विज्ञापनों के माध्यम से आप ख़ूब धन अर्जित कर सकते हैं। उदाहरण के तौर यदि बात करें तो धनुष ने कोलावेरी डी गाना यू-ट्यूब के माध्यम से अपलोड किया था जिसके बाद लोगों की प्रतिक्रिया ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया था और वे आसानी से बालीवुड जैसी ढ्ढि ल्म इंडस्ट्री में आसानी से जगह बना पाए हैं।

कई ऐसी वेबसाइटें इंटरनेट पर उपलब्ध हैं, जहां लोग ज़्यादातर लेखन से जुड़े काम मुहैया कराते हैं। यहां आप काम को देखकर उसके लिए बोली लगा सकते हैं, यानी कि आप बता सकते हैं कि आप वह काम कितने रुपये में करेंगे। अगर काम देने वाले को आपकी बिड दूसरों से बेहतर लगती है, तो वह काम कुछ सेवा शर्तों को तय करके आपको दिया जाता है। ढ्ढ्रीलांसिंग की कई बड़ी वेबसाइट हैं मसलन ईलांस (शश्रड्डपलश.लेा), ओडेस्क (ेवशीह्र.लेा), गुरू (ख्रीह्वह्म्ह्व.लेा) और ढ्ढ्रीलांसर (ढ्ढह्म्द्गद्गद्यड्डठ्ठष्द्गह्म्.लेा) आदि, जहां आप बिना कुछ ख़र्च किए काम कर सकते हैं।

अगर आप कंप्यूटर पर डिजाइनिंग का का काम जानते हैं तो इसके जरिए कमाई भी संभव है। आप अपनी डिजाइन को कैढ्ढे प्रेस जैसी वेबसाइट पर अपलोड कर सकते हैं। डिजाइन्स का ऑर्डर मिलने पर कंपनी उन्हें टीशर्ट, बैग, किताबों आदि पर छपवाती है। सोशल मीडिया एक्जीक्यूटिव का प्रोढ्ढ ाइल उन युवाओं के लिए सबसे बेहतर है,जो सोशल मीडिया के तमाम मंचों पर सक्रिय हैं और इसकी कार्यप्रणाली समझते हैं। आज कंपनियां सोशल मीडिया एक्जीक्यूटिव के लिए विज्ञापन निकाल रही हैं। अच्छी बात यह है कि कई कंपनियां प्रत्याक्षी से अधिक अनुभव की अपेक्षा नहीं करतीं।

ट्विटर इंडिया की तरह आज कई कंपनियां सिर्ढ्ढ सोशल मीडिया के जरिए प्रत्याशी खोज रही हैं। केली सर्विसेज की ओर से कराए गए एक सर्वे के अनुसार, करीब ५६ ढ्ढीसदी लोगों ने माना कि पिछले साल जॉब से जुड़े अवसर के लिए सोशल मीडिया के जरिए उनसे संपर्क किया गया। यही नहीं, २५ ढ्ढीसदी लोगों ने कहा कि सोशल मीडिया के रास्ते ही उन्हें जॉब मिल भी गई। वर्तमान दौर देखा जा रहा है कि में सूचना संचार तकनीक और सोशल मीडिया से जुड़ी कई कंपनियां सिर्ढ्ढ सोशल मीडिया के मंचों के जरिए ही प्रत्याशी खोज रही हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें इन मंचों के जरिए उपयुक्त प्रत्याशी कम वक्त में मिल जाएगा। इसके अलावा विज्ञापन का ख़र्च भी बचता है। सोशल मीडिया धीरे-धीरे रिक्रूटमेंट की दुनिया को बदल रहा है। खासकर महानगरों में। रोजगार की दुनिया को बदलने में सोशल मीडिया की भूमिका दो तरह से सामने आ रही है। एक तो प्रत्याशियों की खोज सोशल मीडिया के मंचों के जरिए हो रही है तो दूसरी तरढ्ढ सोशल मीडिया खुद रोजगार सृजन भी कर रहा है।

निष्कर्ष

डिजिटल मीडिया वर्तमान में एक ऐसा माध्यम है जिसने संचार, वाणिज्य और गवर्नेंस के क्षेत्र में क्रांति ला

Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

दी है। जैसे-जैसे इस माध्यम की पहुंच का दायरा बढ़ रहा है। इसके जरिए रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। आज बहुतायत की संख्या में उपभोक्ता उत्पाद बेचने वाली वेबसाइट्स मौजूद है जिनकी प्रतिदिन की कमाई करोड़ो रुपयों की है। तकनीक आज कल कुछ ऐसी भारी साबित हो रही है कि जब से एटीएम (ऑटोमेटेड टैलर मशीन) का विस्तार हुआ है लोग पैसे निकालने के लिए बैंकों में जाने से कतराने लगे हैं। एक तरङ्ग जहां डिजिटल मीडिया लोगों के दैनिक जीवन में अपनी जगह बना रहा है वहीं इसके माध्यम से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। सूचना संचार प्रोद्योगिकी के जरिए बढ़ रहे बाजार ने नई संभावनाएं इजाद की हैं जो डिजिटल मीडिया के प्लेटङ्ग ॉर्म पर रोजगार और उपभोक्तावाद को आधार प्रदान कर रही हैं। समय ऑनलाइन मीडिया का है और ऑनलाइन मीडिया में दुकानों की भरमार है ऐसे में रोजगार अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। न्यू मीडिया में ऑनलाइन वेबसाइट्स, ब्लॉग्स, पोर्टल्स, वेब रडियो, सोशल साइट्स और ई-न्यूज़ पेपर्स की कतार लगी हुई है। इन सारे खानों में स्पेस खाली नजर आता है बस जरूरत है पहल करने की।

REFERENCE पुस्तकें 1. जोशी, शालनी, जोशी, शिवप्रसाद (2012). वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रूझान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड। 2. चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2013). मीडिया समग्र (भाग-३) ज्ञान-क्रान्ति और साइबर संस्कृति. दिल्ली: स्वराज प्रकाशन। 3. शर्मा, विजय (2011). आधुनिक पत्रकारिता प्रभाव एवं कार्य. जयपुर: इशिका पब्लिशिंग हाउस। 4. सिंह, सुरजीत (2012). मीडिया अचीवर्स. जयपुर: हार्सबैक पब्लिकेशन। 5. कुमार, राकेश (2009). इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं साइबर संचार पत्रकारिता. नई दिल्ली: श्री नटराज प्रकाशन। 6. डॉ. सोनी, सुधीर (२००९). नवीन मीडिया प्रविधियां . जयपुर: बुक एनक्लेवों 7. कुमार, सुरेश (2004). इंटरनेट पत्रकारिता. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन। 8. Saxena, mbrish (2012). Issue of communication development and society. Gera, Gagan (Eds.) Social Media Networking and concept of International Citizenship (P.P.163-167). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 9. Mathur, K, Prasant (2012). Social Media and Networking Concept, trend and dimensions. New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 10. Gupta, Om Jasra jay S. (2002). Information Technology in Journalism. New Delhi : Kanishka Publishers, Distributors. | emoY nÌ | 1. Gupta, Komal.(Oct-Dec., 2013). ICT Vision 2020: Milestone. Communication Today, 44-53 | 2. Mathur, nubhav.(Oct-Dec., 2013). Mobile Comes to India. Communication Today. | 3. Dr. Nayak, S. Chandra.(Oct-Dec., 2013). Social Media: Connecting One and ll. Communication Today, 66-74 | 4. Pankaj Dr., charya, kunjan.(Oct-Dec., 2013). Social Networking: Youth in New Millennium. Communication Today, 75-86. | वेबसाइट्स 1. https://technet.microsoft.com/en-in/library/what-is-digital-media-2.aspx. (10/08/15. 03:10 PM²) | 2. http://disneycareers.com/en/career-areas/technology-digital/digital-media/. (10/08/15. 03:20 PM²) | 3. https://en.wikipedia.org/wiki/Socialšmediašmarketing. (10/08/15. 08:50 PM²) | 4. searchengineland.com/guide/what-is-social-media-marketing. (11/08/15. 01:35 PM²)